आर.एन.आई.नं. RAJBIL/2010/52404

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्ण शुभाङ्गम् ।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्य्, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम् ॥

सेवा सौभाग्य

पू. कैलाश जी 'मानव' मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 147 मुद्रण तारीख » 1 मार्च 2024 कुल पृष्ठ » 28

दिव्यांग एवं निर्धन
51 जोड़े बनें हम सफर

Social Media For Non-Profits

Status | Photo | Check in

Narayan Seva Sansthan
Just Now . India

Connecting #Corporates to Relevant #NGO'S

जन्मजात व दुर्घटना में खो चुके भाई-बहिनों को कृत्रिम अंग लगाने में करें मदद

1,56,825 Likes   124 Comments

Like   Comment   Sh

कर भला तो हो भला

₹5000
सहयोग करें

Donate via UPI
Google Pay   PhonePe
narayanseva@sbi

मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 147 मुद्रण तारीख » 1 मार्च 2024 कुल पृष्ठ » 28

सेवा सौभाग्य

NARAYAN SEVA SANSTHAN
SINCE 1985
Nar Seva Narayan Seva

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालयः 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत
» फोन नं. +91-294-6622222, वाट्सऐपः +91-7023509999

इस माह सेवा अंक

07

08

14

16

18

सम्पादक मंडलः मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल, सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग » विष्णु शर्मा हितैषी-भगवान प्रसाद गौड़, डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

Seva Soubhagya Print Date 1 March, 2024 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 28 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

सेवक प्रशांत भैया

भ्रम हटे तो मिले सुख

यदि हम अर्जित कमाई अथवा समय का थोड़ा सा भी अंश बेसहारा और दुखियों की सेवा में व्यतीत करें तो हमारे भीतर न सिर्फ शांति बल्कि आनंद का ऐसा स्त्रोत फूटेगा जो अनवरत प्रवाहित होकर हमें हर मुश्किल से बचाएगा।

मानवीय सत्ता की अनमोल निधि है, 'मन'। मन की दो स्थितियां सुख और दुख हैं, जो अनुभूति आधारित हैं। प्रसन्नता और सुख की कामना मानव-मन का स्वभाव है किन्तु मन के इर्द-गिर्द भ्रम के ऐसे आवरण भी हैं, जिनसे मनुष्य न सुख की पहचान कर पाता है और न दुःख से मुक्ति का मार्ग ही ढूंढ पाता है। जीवन का वास्तविक आनंद अथवा प्रसन्नता तो दूसरों को प्रसन्न रखने में ही है। इसीलिए हमारे शास्त्रों ने परमार्थ का संदेश दिया है। जो लोग भोग में आनंद का अनुभव करते हैं, वे इस बात को समझें कि सांसारिक भोग और मोह ही तो दु:ख का कारण है। गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं, 'परहित सरिस धर्म नहिं भाई' अर्थात दूसरों की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

एक महानुभाव आचार्य रजनीश के पास पहुंचे और उनसे कहा -'मैं वर्षों से प्रतिदिन ध्यान करता हूँ, इष्ट देव को भजता हूँ, परन्तु शांति का अनुभव नहीं कर पाता। आचार्य बात सुनकर मुस्कराए। कुछ क्षण चुप रहे और फिर बोले- 'ध्यान के समय तुम भौतिक संसाधनों की कामना में भी व्यस्त हो जाते हो। उस बाहरी आवरण को हटाने की चेष्टा करो, जो आत्म साक्षात्कार में बाधक है। सोचो की क्या किसी के कष्ट को दूर करने के लिए दिन के 24 घण्टे में से तुमने कुछ मिनट भी बिताए हैं?

आपका अपना नारायण सेवा संस्थान भी आत्मिक शांति का ऐसा ही एक मिशन है, पीड़ितों के जीवन को संवारने की एक यात्रा है। जन्मजात विकृति अथवा हादसों में आपने हाथ-पैर खो देने वाले उन भाई-बहिनों के लिए एक उम्मीद है, जो जीवन को बोझ समझ बैठे हैं। ऐसे पीड़ित और बच्चों के न केवल निःशुल्क ऑपरेशन हो रहे हैं, बल्कि जरूरतमंदों को देश-विदेश में कृत्रिम अंग, कैलीपर, आदि भी मुहैया करवाए जा रहे हैं। इस सेवा में आपका योगदान ही महत्वपूर्ण है। आपश्री के दान से असंख्य गरीब आदिवासी और निराश्रितों को गत महीनों कड़ाके की सर्दी में कम्बल, स्वेटर, मौजे व पोषाहार उपलब्ध करवाया गया। जिससे उन्हें सुकून और राहत महसूस हुई। संस्थान प्रतिवर्ष की भांति शहर की कच्ची बस्तियों, झोपड़पट्टियों और गांवों में नियमित रूप से पोषाहार का वितरण कर रहा है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि मन की शांति और सुख तभी मिलते हैं, जब हम पर पीड़ा का अपने भीतर अहसास कर उसके निवारण में सहयोगी बनते हैं। आपका योगदान उसी सेवायज्ञ में आहुति है। ऐसा करके आप सौभाग्य को ही निमंत्रण दे रहे हैं। जय नारायण!

भौतिकता ही मृगतृष्णा

धन एक तरह की मूर्च्छा भी है, जो समय रहते टूट जाए तो ही अच्छा है। इस मूर्च्छा से बाहर आने पर ही हमें परम सत्ता का ज्ञान होगा। संग्रह वृत्ति तो भौतिकता के मरूस्थल में मृगतृष्णा ही है।

किसी कस्बे की एक कुटिया में एक महात्मा अपने शिष्य के साथ रहते थे। कस्बावासी उनकी जरूरतों का खुद आकलन कर उसकी पूर्ति कर देते थे। वे किसी से कुछ अपेक्षा नहीं रखते। शिष्य भी कस्बे में भ्रमण कर भिक्षा ले आता। लेकिन महात्मा ने उसे कभी यह नहीं पूछा कि उसे क्या मिला और न ही शिष्य ने कभी उन्हें बताया। जो भी पैसे मिलते उन्हें शिष्य अपनी संदूक में रख लेता। महात्मा प्रायः अपने प्रवचन में त्याग की शिक्षा देते थे। लेकिन शिष्य संग्रह वृत्ति वाला था। एक दिन महात्मा ने अन्यत्र विहार का निश्चय किया और गुरू शिष्य चल पड़े। महात्मा के पास मात्र-धोती कम्बल था जब कि शिष्य ने संदूक में जमा पैसे अपनी गांठ में बांध लिए। कस्बे से बाहर नदी को पार करना था। नाविक ने पार उतारने के लिए उनसे दो रूपए मांगें। महात्मा बोले जब मैंने किसी से लिया नहीं तो तुम्हें कहां से दूंगा? नाविक ने उन्हें नदी पार ले जाने से मना कर दिया। शिष्य, गुरू नाविक के संवाद सुन रहा था किन्तु गांठ में बंधे पैसे नाविक को देने से कतरा रहा था। शाम हो गई। नाविक घर जाने से पहले बोला-'महाराज' रात्रि में हिंसक जानवर विचरण करते हैं। आपको मार भी सकते हैं। 'महात्मा बोले - 'तो भाई हमें पार क्यों नहीं उतार देते? - हिंसक वन्य जीवों के जंगल में होने की बात से भयभीत हुए शिष्य ने तत्काल गांठ से पैसे खोले और दो रूपए नाविक को थमा दिए। नदी पार उतर कर शिष्य बोला-'आप कहते हैं धन संग्रह ठीक नहीं। लेकिन, आज गांठ का धन ही काम आया।

'महात्मा ने कहा-बेटा! धन के त्याग से ही तो सुख मिला, बचाकर रखने से नहीं। काल के प्रवाह में एक न एक दिन सभी को अर्थात धरा पर जन्म लेने वाले प्रत्येक जीव को विलीन होना ही है। स्मृतियों में यदि कोई जीवित रहे तो केवल वे जिन्होंने संग्रह का नहीं त्याग का मार्ग अपनाया। धन का अर्जन गृहस्थों के लिए आवश्यक है, लेकिन धन ही सर्वोपरि है, यह सोच भी ठीक नहीं है।

–श्री कैलाश 'मानव'

परम को भी प्रिय होली का उत्सव

होली का दूसरा नाम आनंद है। आनंद ही परमानंद है। आनंद ही घनश्याम है। आनंद ही राम है। आनंद ही शिव है। आनंद ही जीवन है। आनंद को ही पर्व कहा गया। आनंद का सबंध सृष्टि और समष्टि से है। गुलाल और अबीर लगाकर जब हम मस्त हो जाएं तो वह होली है। होली महादेव, माधव और राघव ने भी खेली।

होली के आनंद को हम पांच रूपों में बांट सकते हैं। पहली होली आध्यात्मिक, धार्मिक है। भक्त प्रहलाद के रूप में। प्रहलाद के पिता हिरण्यकशिपु और मां थी कयाधू। चार पुत्रों में प्रहलाद सबसे छोटे थे। हिरण्यकशिपु ने तप करके अमरता का वरदान ले लिया। एक दिन अपनी गोद में बैठे प्रहलाद से हिरण्यकशिपु ने पूछा बताओ तुमने गुरूकुल में क्या सीखा ?प्रहलाद ने कहा- 'हरि का नाम। मैं और मेरा का अंत।' कथा का सार इतना है कि हिरण्यकशिपु के लाख समझाने पर भी प्रहलाद ने पिता के आधिपत्य व पूजा को स्वीकार नहीं किया। वह हरि का नाम ही रटते रहे। पिता ने गोद से उतार दिया और उन्हें मारने के कई प्रयास किए।

हरि उनको बचाते रहे। हरि ने उनको अपनी गोद में बैठा लिया। यह परम और श्रेष्ठ गोद है। इन्हीं प्रहलाद को बुआ होलिका गोद में लेकर प्रज्जवलित चिता में बैठती है। यह स्वार्थ व आसुरी संस्कृति की गोद थी। भगवान के प्रताप से भक्त प्रहलाद बच जाते हैं। होलिका भस्म हो जाती है। हिरण्यकशिपु का वध भगवान ने नृसिंह अवतार लेकर किया। होली का दूसरा आनंद है-प्रकृति का। ऋतु परिवर्तन का आनंद। तीसरा आनंद है-रंग और तरंग का। जीवन रंगीला है। इसमें तमाम रंग हैं। होली का चौथा आनंद है स्वास्थ्य। पहले टेसू के फूलों से होली खेली जाती थी। इसको स्वास्थ्यवर्धक माना जाता था। पांचवां आनंद है मित्रता का। बुरा न मानो होली है ......का शोर यूं ही नहीं गूंजता। मैं और मेरा को मारने की सीख ही तो भक्त प्रहलाद को मिली थी। हिरण्यकशिपु इसलिए मरा क्यों कि उसमे मैं था। भक्त प्रहलाद इसलिए भगवान विष्णु के प्रिय हुए,क्योंकि उन्होंने कहा, 'जो है, सब हरि हैं।' बैर भाव भुलाकर गले लगना ही होली है। होली का सम्बंध प्रकृति से भी है। वैदिक काल में इसको नवान्नेष्टि कहा गया। नवान्न यज्ञ किया जाता था।

इस अन्न को होला कहा जाता था। भगवान शंकर की तपस्या को भंग करने के लिए कामदेव नाना रूप धरकर आए। भगवान शंकर ने उनको भस्म कर दिया। तभी से होली अस्तित्व में आई। मनु का अवतरण भी इसी दिन माना जाता है। भगवान राम ने भी अयोध्या में सीता संग खूब फाग खेला। झांझ, मृदंग,ढपली से चारों और उमंग है।' खेलत रघुपति होरी हो, संगे जनक किसोरी।'

चारों अंग खोए
हौसला कायम

लखदेव सिंह जडेजा (35) राजकोट (गुजरात) के रहने वाले हैं। काफी सुलझे व्यक्ति हैं। पेशे से कार चालक हैं। जीवन काफी चुनौतीभरा रहा। पत्नी के गले में कैंसर होने से दु:खी हैं। दो बार ऑपरेशन हो चुका हैं। तेरह साल पहले बीमारी के कारण बेटे को खो दिया। करीब 10 माह पहले नीम के पेड़ पर देवी माँ की ध्वजा (पताका) लगाते समय पेड़ के समीप से गुजर रही 11000 हाईवॉल्टेज बिजली लाइन के करंट से वे बुरी तरह झुलस गए। उपचार के दौरान चारों हाथ-पैर कटवाने पड़े।

जीवन में कठिनाईयों के बावजूद हार नहीं माननी चाहिए। सकारात्मक दृष्टिकोण रखकर आगे कदम बढ़ाना हमें मंजिल की ओर बढ़ने में मदद कर सकता है।

स्थिति काफी गम्भीर होते हुए भी जीवन में हौसला बुलंद रखा। इतना कुछ होने के बाद भी ये कहते हैं कि 'परमात्मा जो करता है, उसे हंसकर स्वीकार करना चाहिए'। ईश्वर में इनकी अटूट आस्था है। बच्चे की मौत होने पर भी कहते हैं कि वह परमात्मा का ही था, उन्होंने वापिस ले लिया। जो अपना था ही नहीं उसके लिए दु:ख क्यों करना। दिसम्बर 2023 में सोशल मीडिया से नारायण सेवा संस्थान के नि:शुल्क कृत्रिम अंग वितरण और सेवा प्रकल्पों की जानकारी मिली तो उदयपुर संस्थान आए। जहां चारों हाथ-पांवों का विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने माप ले कृत्रिम अंग प्रदान किए। करीब 4 सप्ताह के अभ्यास के बाद अब वे कृत्रिम अंगों के सहारे अपने पैरों पर खड़े हो चलने लगे हैं।

साजन के घर विदा हुई 51 बेटियां

संस्थान का 41वां दिव्यांग सामूहिक विवाह

संस्थान द्वारा आयोजित दो दिवसीय निःशुल्क दिव्यांग व निर्धन सामूहिक विवाह 10-11 फरवरी को सम्पन्न हुआ। जिसमें 51 जोड़े परस्पर सात वचनों को लेकर जनम-जनम के बंधन में बंध गए। इनमें 25 जोड़े सकलांग थे जबकि 26 जोड़े ऐसे थे जो बैसाखी या किसी और के सहारे बिना उठ नहीं पाते, चल नहीं पाते अथवा देख नहीं पाते। इनमें अधिकतर वर-वधु ऐसे थे जिनकी दिव्यांगता सुधार निःशुल्क सर्जरी संस्थान में ही हुई और यहीं से आर्टिफिशियल लिम्ब और रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भरता पाई। समारोह के विशिष्ट अथितियों में श्री सोहन जी, श्रीमती मुक्ता जी चड्ढा अमेरिका, श्री भरतभाई सोलंकी-इंग्लैंड, श्रीमती कुसुम जी गुप्ता-दिल्ली, श्री कुंवर भाई-मुम्बासा, श्री गोपाल जी खेतान-मुंबई तथा उड़ीसा के आनंद परतानिया थे। इस दौरान देश भर से बड़ी संख्या में आए अतिथियों की मौजूदगी में सेवामहातीर्थ के परिसर में सजे-धजे हाड़ा सभागार में नाते-रिश्तेदारों, मित्रों, और कन्यादानियों ने जोड़ों पर असीम स्नेह

लुटाते हुए इन लम्हों को भावुक व यादगार बना दिया। संस्थान संस्थापक पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव', सहसंस्थापिका श्रीमती कमला देवी जी, अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया जी, निदेशक श्रीमती वंदना जी, निदेशक-ट्रष्टी देवेंद्र जी चौबीसा व सुश्री पलक जी के सानिध्य में अतिथियों द्वारा गणपति पूजन के पश्चात 11 फरवरी को प्रातः शुभ मुहूर्त में दूल्हों ने क्रमवार परम्परागत तोरण की रस्म का निर्वाह किया। इसके बाद भव्य पाण्डाल में गाते-झूमते अतिथियों के बीच जोड़ों ने एक-दूसरे के गले में वरमाला डाली। इस दौरान उन पर पुष्प वर्षा की झड़ी लग गई। विवाह स्थल पर कलात्मक आतिशबाजी हुई। इसके बाद मुख्य आचार्य के निर्देशन में 51 पण्डितों ने अलग-अलग अग्निकुण्डों पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पाणिग्रहण संस्कार की विधि सम्पन्न करवाई। इस दौरान प्रत्येक वेदी पर वर-वधू के माता -पिता व कन्यादानी उपस्थित थे। सेवक प्रशांत भैया जी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि जब जीवन की दशा और दिशा बदलने वाला कोई सुनहरा सपना साकार होता है तो उसकी खुशी को बयां करना आसान नहीं होता। वहीं मंजर आज यहां है। संस्थान पिछले 40 विवाहों में विभिन्न राज्यों के 2300 से अधिक जोड़ों की गृहस्थी बसाने में योगदान कर खुशी महसूस करता है।

उपहार एवं विदाईः– विवाह विधि संपन्न होने पर नव-युगल को संस्थान व अतिथियों की ओर से नवगृहस्थी के लिए

आवश्यक सामान एवं उपहार स्वरूप आभूषण प्रदान किए गए। जिनमें मंगलसूत्र, चूड़ी, लोंग, कर्णफूल, अंगूठी, रजत पायल, बिछिया आदि शामिल थे जब कि गृहस्थी के सामान में चूल्हा,बिस्तर, अलमारी, संदूक, बर्तन,पानी की टंकी सहित आवश्यक सामग्री थी। विदाई की वेला में कन्याएं जब अपने धर्म माता-पिताओं से आशीष ले रही थीं, तब न केवल उनकी आँखे नम थीं बल्कि वहां मौजूद हर एक की आँख छलछला उठी। दुल्हों ने भी सब को नमन कर सुखद गृहस्थ जीवन का आशीर्वाद लिया। सभी नवविवाहित जोड़ों को संस्थान के वाहनों से उनके शहर-गांव तक पहुंचाया गया।

धूम से निकली बिन्दोली

विवाह की पूर्व संध्या 10 फरवरी को सेवामहातीर्थ में प्रातः शुभ मुहर्त में गणपति स्थापना हुई। शाम 5:30 बजे नगर निगम से सभी जोड़ों की बैण्डबाजों के साथ सजी-धजी बग्गियों में धूमधाम से शहर के मुख्य मार्गों पर बिंदोली निकली। सूरजपोल, बापू बाजार, देहली गेट होते हुए बिन्दोली पुनः नगर निगम पहुंची। जहां स्नेहभोज हुआ। मार्ग में विभिन्न सामाजिक व व्यापारिक संगठनों की ओर से स्वागत द्वार व जलपान के काउंटर लगाए गए थे। बिंदोली को पूज्य कैलाश जी 'मानव', सेवक प्रशांत भैया, श्रीमती कमला देवी जी, महेश जी अग्रवाल मुंबई, व कन्यादानियों ने झंडी दिखाकर ज्योहीं रवाना किया आकाश इंद्रधनुषी आतिशबाजी से जगमगा उठा। दूल्हा-दुल्हनों की बग्गियों के आगे अतिथि व संस्थान के साधक-साधिकाएं बैंड दस्तों की मधुर धुन पर नाचते-झूमते चल रहे थे। माहौल ऐसा था कि आते-जाते राहगीर भी अपने को थिरकने से रोक न सके।

इसी दिन गणपति स्थापना के बाद पारंपरिक गीतों के साथ हल्दी और मेहंदी की रस्में सम्पन्न हुई। समारोह के विशेष अतिथि पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा, अलवर व कन्यादानी भामाशाह थे। जिन्हें संस्थान संस्थापक पूज्य कैलाश जी 'मानव' व कमला देवी जी ने सम्मानित किया। संचालन महिम जैन व जितेन्द्र वर्मा ने किया।

दुल्हन बनी दुल्हे की नेत्र ज्योति

प्रतापगढ़ की धरियावद तहसील सरपोटिया के खाना भगोरा (32) जन्म से दृष्टिबाधित हैं। पिता की आकस्मिक मौत के बाद जीवन ओर भी चुनौती भरा हो गया। मां ने खेती और नरेगा में मजदूरी कर पालन-पोषण किया। गांव के आसपास भजन-कीर्तन करते हैं। इसी गांव की उषा कुमारी (29) एक हाथ में विकृति और पीठ में कुब्बड़ होने से कष्ट में जीवन जी रही है। घर के छोटे -मोटे काम में वृद्ध माता-पिता का हाथ बटाती है । दोनों परिवारों की आर्थिक स्थिति बहुत खराब होने से शादी नहीं हो पा रही थी। तभी इन्हें संस्थान के सामूहिक विवाह की जानकारी मिली जो इनके सूने जीवन को रोशन करने वाली साबित हुई। उषा अपने जीवन साथी की नेत्र ज्योति बन हर कदम पर उनका साथ देगी। तो जीवन संगिनी उषा की ताकत खाना राम बनेंगे।

अनायास मुलाकात से हुए पीले हाथ

रामफला की पिंटू जन्मजात पोलियो के कारण एक पांव से दिव्यांग है। पैर को एक हाथ का सहारा देकर चलने को मजबूर है। पिता की अचानक मौत के बाद माँ ने मजदूरी कर मुश्किल से पालन-पोषण किया। घर की आर्थिक हालत ठीक नहीं होने से इलाज भी संभव नहीं था। जो भी इसे शादी के लिए देखने आए वो दुबारा नहीं लौटे। सभी सहेलियों की शादी हो चुकी थी। पिन्टू प्रायः भविष्य को लेकर दुःखी ही रहती।

ऐसे ही हालातों में बसंतगढ़ निवासी जोमाराम का भी जीवन रहा। जन्म से ही दोनों पांव व कमर से दिव्यांग होने के कारण खड़े भी नहीं हो पाते थे। फिर कहीं से संस्थान की जानकारी मिली तो संस्थान आए। जहां निःशुल्क ऑपरेशन हुआ। ऑपरेशन के बाद बैशाखी और कैलिपर्स के सहारे चलने लगे, फिर आजीविका हेतु गाँव में ही किराणा की दुकान खोली। दिव्यांगता के कारण ये भी जीवन साथी से महरूम थे। एक दिन गांव के मेले में अनायास पिंटू से इनकी मुलाकात हुई। यह मुलाकात इन्हें शादी के बंधन तक ले आई, लेकिन गरीबी के चलते शादी नहीं कर पा रहे थे। तब जोमाराम को संस्थान के निःशुल्क सामूहिक विवाह की जानकारी मिली और दोनों ने सम्पर्क कर शादी के लिए पंजीयन करवाया। आखिर 10 -11 फरवरी को इस जोड़े का सपना भी साकार हुआ।

हर्षोल्लास से मनाया गुरूदेव का जन्मदिन

संस्थान में 2 जनवरी को संस्थापक चेयरमैन पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी मानव का जन्म दिवस संस्थापक दिवस के रूप में हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह के विशिष्ट अतिथि श्रीमती प्रेम निजावन जी दिल्ली, माया जी गुप्ता ग्वालियर व प्रेमवल्लभ जी फरीदाबाद थे। साधक-साधिकाओं ने पूज्य गुरूदेव जी का अभिनन्दन किया। गुरूदेव ने अपने उद्बोधन में दिनचर्या को सेवा के साथ जोड़कर जीवन को सार्थक करने करने का आग्रह किया। श्रीमती कमला देवी जी, श्री जगदीश जी आर्य व देवेन्द्र जी चौबीसा ने मानव जी की सेवा यात्रा के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। संचालन महिम जैन ने व धन्यवाद ज्ञापन नरेन्द्र सिंह चौहान ने किया।

आनन्द के पल

रामभक्ति में झूमा नारायण परिवार

प्रशान्त भैया ने दी प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में उपस्थिति

अयोध्या धाम में नव निर्मित भव्य मंदिर में श्रीरामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में संस्थान में भी विशेष उत्सव का आयोजन हुआ। विभिन्न राज्यों से आए दिव्यांगों और उनके परिजनों, गुरुकुल, एनसीए व आवासीय विद्यालय के बालकों व साधकों ने 108 संगीतमय सुन्दर काण्ड का पाठ किया। इस मौके पर संस्थापक चेयरमैन पूज्य कैलाश जी मानव, सहसंस्थापिका श्रीमती कमला देवी जी भी मौजूद रही। श्रीरामलला व हनुमान जी को भोग लगाकर भक्तों में प्रसाद वितरित किया गया। श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा समारोह का अयोध्या से सीधा प्रसारण भी एलईडी पर किया गया। प्राण प्रतिष्ठा में आमंत्रित संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने दीन-दुःखी दिव्यांगों,वंचितों और मेवाड़ वासियों, संस्थान साधकों व सहयोगियों के लिए रामलला के श्रीचरणों में दण्डवत होकर सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। लौटने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि बालक रूप श्रीराम की मूर्ति के दर्शन निहाल हो गया। अयोध्याधाम में भक्तों का उत्साह व मंदिर की शोभा का अवर्णनीय है। समारोह के जिक्र के दौरान उनकी आँखें नम हो उठी। उन्होंने कहा कि वहां उन्होंने श्रीराम भगवान से सम्पूर्ण साधक परिवार,सहयोगियों व मेवाड़वासियों पर कृपा की प्रार्थना की।

अयोध्या में 'सेवक'

सुन्दर काण्ड पाठ

कोटड़ा में विशाल सहायता शिविर

राजस्थान के जनजाति विकास मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि 'राज्य और देश को विकसित एवं मजबूत बनाने के लिए गरीब की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना जरूरी है और इसके लिए सरकार के साथ नारायण सेवा जैसी संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।' वे 14 जनवरी को उदयपुर जिले के आदिवासी बहुल क्षेत्र कोटड़ा तहसील के काऊचा गांव में संस्थान द्वारा मकर संक्रान्ति पर आयोजित अन्नदान-वस्त्रदान महोत्सव को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने संस्थान के सेवा प्रकल्पों को पीड़ित मानवों की ईश्वरतुल्य सेवा बताते हुए केन्द्र और राज्य सरकार की उन योजनाओं का जिक्र किया जो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के स्वप्न को साकार करेंगी। इस मौके पर उपस्थित 5 हजार से ज्यादा स्त्री, पुरूष और बच्चों को तिल के लड्डू, स्वेटर, कंबल,चप्पल, जूते-मौजे, बूट, टूथपेस्ट-ब्रश, साबुन- तेल, लूगड़ी- धोती, पोषाहार वितरण किया गया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण संस्कार चैनल पर हुआ। आरंभ में संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने मंत्री महोदय का स्वागत करते हुए कहा कि संस्थान प्रधानमंत्री के विकसित भारत संकल्प को पूरा करने में अपने दायित्व का निर्वाह करेगा। संस्थान सर्दी के मौसम में 60 हजार से ज्यादा ऊनी वस्त्र बाँट चुका है। मार्च के अंत तक 1 लाख स्वेटर और कम्बल वितरण का लक्ष्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

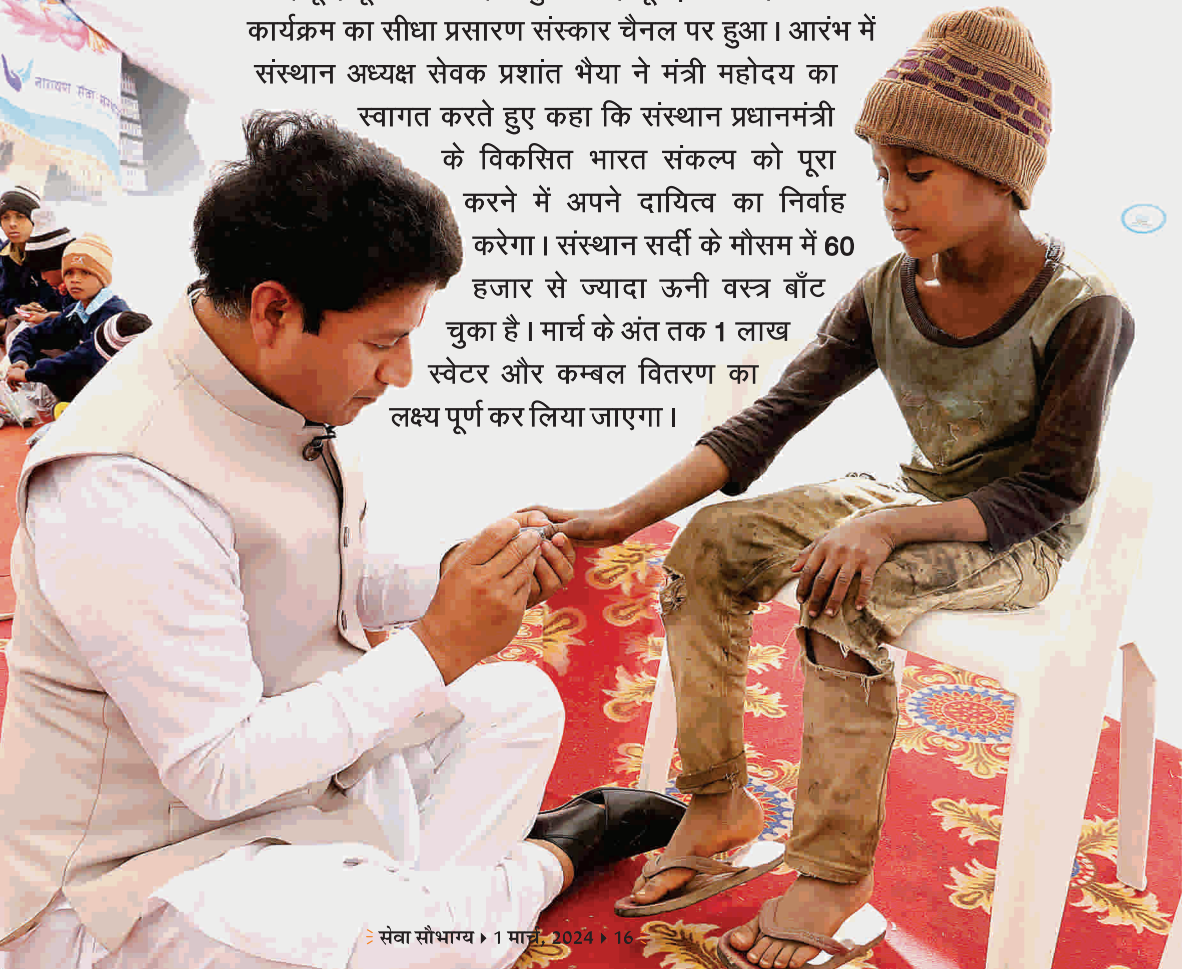

केन्या में विशाल कृत्रिम अंग शिविर

वसुधैव कुटुंबकम’ के भाव से जनवरी में नारायण सेवा संस्थान ने द.अफ्रीका के केन्या में पांच शिविरों का आयोजन किया। जिसमें दुर्घटनाओं में शारीरिक रूप से असक्षम हुए 1363 दिव्यांगों को मदद पहुंचाई गई।

नैरोबी में 127 दिव्यांगों, किस्सी के 85, मे— में 133 और मोम्बासा के 257 दुर्घटनाग्रस्त बन्धु-बहिनों को मोडूलर कृत्रिम अंग लगाए गए। वहीं करीब 800 लोगों के कृत्रिम अंग बनाने हेतु मेजरमेंट लिया गया। किसुमू शिविर में केन्या के पूर्व प्रधानमंत्री की धर्मपत्नी डॉ. इड़ा ओडिंगा मुख्य अतिथि थीं। शिविरों के सफलतापूर्वक आयोजन में लॉर्ड महावीर स्वामी फॉलोवर्स, प्राइड एंटरप्राइजेज लिमिटेड नेम चंद कछरा एवं स्व. जवेरचंद रामजी गुडका परिवार, वीसा ओसवाल कम्युनिटी, हिन्दू समाज मेरू और मोम्बासा सीमेंट का सहयोग रहा। संस्थान की 15 सदस्यीय तकनीकी एवं डॉक्टर्स टीम ने सेवाएं दी। समस्त शिविरों के कॉर्डिनेटर केन्या चेप्टर नारायण सेवा के अध्यक्ष सूर्यकान्त चल्ला थे। संस्थान विगत 3 वर्षों से केन्या में इस प्रकार के शिविर आयोजित कर रहा है। अब तक 12 शिविरों में 1500 से अधिक दिव्यांग लाभान्वित हो चुके हैं।

कृत्रिम अंग से राह हुई आसान

दुर्घटनाओं में हाथ-पैर खोकर जिन्दगी से निराश हुए भाई-बहिनों के जीवन को अत्याधुनिक कृत्रिम अंग के माध्यम से फिर से गतिमान बनाकर आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करने की दृष्टि से आपके इस संस्थान ने जनवरी-24 में देश के 13 नगरों में कैम्प आयोजित कर 1500 से अधिक दिव्यांग भाई-बहिनों के सशक्तीकरण का मार्ग प्रशस्त किया।

राजकोटः- लोहाणा महाजन कम्युनिटी हॉल, करणपुर में 7 जनवरी को ताराबेन किशोर भाई दोशी फाउन्डेशन, राजकोट के सौजन्य से आयोजित शिविर में 42 दिव्यांगजन के कृत्रिम अंग व 35 के कैलीपर बनाने का माप लिया व दिव्यांगता सुधारात्मक सर्जरी के लिए 6 का चयन किया गया। शिविर में कुल 108 दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। मुख्य अतिथि समाजसेवी श्री नीरज भाई दोशी थे। अध्यक्षता श्री प्रकाश भाई कलोला ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री राजीव दोशी, श्रेणिक दोशी, उत्सव दोशी, प्रांजल दोशी व तनय जी मंचासीन थे। संस्थान के ट्रस्टी- निदेशक श्री देवेंद्र जी चौबीसा व शिविर प्रभारी मुकेश शर्मा ने अतिथियों का पाग -उपरना पहना कर स्वागत किया। संचालन श्री ऐश्वर्य त्रिवेदी व धन्यवाद ज्ञापन राजकोट आश्रम प्रभारी श्री तरूण नागदा ने किया।

फाजिल्का :- रामकृष्ण गौ शाला बाजीदपुर- फाजिल्का (पंजाब) में 7 जनवरी को श्री लक्ष्मी नारायण गौ सेवा ट्रस्ट के सौजन्य से दिव्यांग आपरेशन जांच, चयन एवं कृत्रिम अंग माप शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 40 दिव्यांगजन का चयन किया गया।

बिलारी :- डॉ. देवेंद्रपाल सरस्वती विद्या मंदिर, बिलारी (उप्र.) में 7 जनवरी को आयोजित शिविर में 172 दिव्यांगजन का रजिस्ट्रेशन हुआ। जिनमें से 98 को कैलिपर व 74 को कृत्रिम हाथ-पैर का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व एमएलसी सदस्य परमेश्वर सैनी थे।

प्राचार्य श्री प्रताप सिंह ने अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक डॉ. रामवीर सिंह, नगर संघचालक श्री राकेश सिंह व समाजसेवी श्री पंकज चौहान व श्री नवदीप सैनी थे। शिविर प्रभारी हरिप्रसाद लढ्ढा ने अतिथियों का स्वागत किया।

राजकोट :- श्री नारायण भाई परमार के सहयोग से 8 जनवरी को राजपूतवाड़ी, रणछोड़ नगर में सम्पन्न शिविर में कैलीपर बनाने के लिए 16 व ऑपरेशन के लिए 2 का चयन किया गया। जबकि 13 को ट्राईसाइकिल, 10 को व्हीलचेयर व 11 को वैशाखी का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि समाजसेवी श्री कनुभाई हरेमा थे। अध्यक्षता श्री महेश भाई डोडिया ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री परेश जी पिपडिया, जयेश जी डोडिया, धर्मेश जी डोडिया, धनश्याम सिंह जी, बलदेव जी डोडिया व महापौर श्रीमती नैना बेन थीं। जिनका स्वागत राजकोट आश्रम प्रभारी तरूण जी नागदा ने व शिविर संचालन मुकेश जी शर्मा ने किया।

मुरादाबाद :- गांधी नगर पार्क में 8 जनवरी को सम्पन्न शिविर में 114 दिव्यांगजन की उपस्थिति रही। जिनमें से 56 को कृत्रिम हाथ-पैर व 98 को कैलीपर सीनियर टेक्नीशियन नाथूसिंह व उनकी टीम ने पहनाए। मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर मनवेन्द्र सिंह थे। अध्यक्षता श्री वतन सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री अखिलेश भदौरिया, संदीप मीणा, प्रणव झा, संजय चौहान, कमलकान्त, अनिल कुमार, कृष्णचन्द्र, ओम प्रकाश शास्त्री व सुरेन्द्र कुमार थे। शिविर प्रभारी हरिप्रसाद लढ्ढा थे।

ठाकुरद्वारा :- सरस्वती विद्या मंदिर ठाकुरद्वारा (उप्र) में 9 जनवरी को सम्पन्न शिविर में 28 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 49 को 68 कैलिपर का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि आरएसएस जिला प्रचारक संजीव कुमार थे। अध्यक्षता प्रधानाचार्य अशोक कुमार सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री सुनील फुटिया, वीर सिंह सैनी, डॉ.नवदीप यादव व विक्की ठाकुर थे।

खामगांव :- लायन्स क्लब - संस्कृति के सहयोग से खामगांव (महाराष्ट्र) में 12 जनवरी को आयोजित शिविर में 41 दिव्यांगजन को 73 कैलीपर व 85 को 88 कृत्रिम अंग का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि लॉयन्स क्लब अध्यक्ष श्री भगत सिंह राजपूत थे। अध्यक्षता लॉयन राणा दिलीप कुमार जी ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री अनिल जी, अजय अग्रवाल व हरिकुमार मीणा थे।

कोलकाता :- आर्य समाज मंदिर (कॉलेज स्ट्रीट) कोलकाता में 13 जनवरी को सम्पन्न शिविर में 124 दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। जिनमें से 67 को कृत्रिम अंग व 12 के कैलीपर बनाने का माप लिया गया। इस सेवा आयोजन में श्रीमती सरिता देवी, मुक्ता देवी, श्री पंकज अग्रवाल, श्री के.डी अग्रवाल, प्रियंका -राघव गोयनका व अंशिका - विशाल अग्रवाल का सहयोग रहा। मुख्य अतिथि डॉ. अजय आर्य थे। अध्यक्षता डॉ. रेनू सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री चन्द्रकान्त सर्राफ, श्री पवन गोयनका, श्री अशोक गुप्ता व श्री दिलीप चौधरी थे। डॉ. रामनाथ ठाकुर ने 6 दिव्यांगजन का आपरेशन के लिए चयन भी किया।

फिरोजाबाद :- फिरोजाबाद क्लब लिमिटेड एवं क्लब लॉयंस के सौजन्य से जलेसर रोड स्थित क्लब परिसर में 19 जनवरी को सम्पन्न निःशुल्क ऑपरेशन चयन एवं कृत्रिम अंग माप शिविर में 77 दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। जिनमें से डॉ. रामनाथ ठाकुर ने 10 का आपरेशन के लिए चयन किया। जब कि 53 कृत्रिम अंग बनाने के लिए माप लिया गया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक श्री मनीष जी असीजा थे। अध्यक्षता महापौर श्रीमती कामिनी राठौड़ ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री विश्वदीप सिंह, नानकचंद्र अग्रवाल, मुकेश गुप्ता, राजेश्वर प्रसाद बंसल, श्याम बाबू अग्रवाल व श्रीमती मधु सिंह मंचासीन थे। अतिथियों का स्वागत व शिविर का संचालन श्री अखिलेश अग्निहोत्री ने किया।

मैसूर :- श्री महावीर चंद जी भंसाली परिवार के सौजन्य से शिवराम पेट, मेट्रोपोल, सर्किल पर दो दिवसीय नारायण लिंब एवं कैलीपर्स फिटमेंट शिविर 20-21 जनवरी को सम्पन्न हुआ। जिसमें 261 दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। जिनमें से 255 के कृत्रिम अंग, 6 के कैलीपर डॉ. अखिल भास्कर उपाध्याय व फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. राजेश्वरी की देखरेख में फिट किए गए। मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य श्री सी.एन.मंजय गौडा थे। अध्यक्षता श्री टी.एस. श्रीवास्तव ने की। विशिष्ट अतिथि सर्व श्री सुब्रहण्यम्, राजशेखर, सुरेश गोल्ड, शीतल जैन, हेमंत भंसाली व महावीर भंसाली थे। शिविर प्रभारी मुकेश शर्मा ने अतिथियों का स्वागत व संचालन संस्थान के हैदराबाद आश्रम प्रभारी महेन्द्र सिंह रावत ने किया।

धामनगांव :- हात फाउण्डेशन, धामनगांव (महाराष्ट्र) के सौजन्य से 28 जनवरी को ग्रामीण रूग्णालय (रेल्वे) में सम्पन्न निःशुल्क ऑपरेशन हेतु दिव्यांग जांच-चयन व नारायण लिंब एवं कैलीपर्स माप शिविर में कुल 146 दिव्यांगजन की सहभागिता रही। जिनमें से 84 के कृत्रिम अंग व 25 के कैलीपर बनाने का माप टेक्नीशियन श्री किशन सुथार की टीम ने लिया। ऑपरेशन के लिए एक का चयन हुआ। मुख्य अतिथि समाज सेवी श्री विजय रॉय थे। अध्यक्षता एमएलए श्री बिरेन्द्र जाग ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री प्रदीप भाजड़, सुजित भजभूजे, दिनेश वाघमारे, डॉ. महेश साबडे, श्रीकान्त गावंडे व श्रीमती नेहा जी भजभूजे थी। अतिथियों का स्वागत मुम्बई आश्रम प्रभारी श्री मुकेश सेन व संचालन मुकेश शर्मा ने किया।

भोपाल :- रोटरी क्लब व भोपाल उत्सव मेला समिति के सौजन्य से संस्थान के तत्वावधान में 28 जनवरी को भोपाल उत्सव मेला प्रांगण में आयोजित नारायण लिंब माप शिविर में 36 कैलीपर व 147 कृत्रिम अंग बनाने के लिए पीएंडओ डॉ. अखिल भास्कर उपाध्याय के मार्गदर्शन में सीनियर टेक्नीशियन नाथूसिंह की टीम द्वारा 217 दिव्यांगजन की जांच के बाद माप लिया गया। मुख्य अतिथि एमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी थे। अध्यक्षता डॉ. आर. के. सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री हर्ष मित्तल, धीरज दत्ता, आर. धना सहाय व मुकेश साहू मंचासीन थे। अतिथियों का स्वागत प्रभारी हरिप्रसाद लढ्ढा ने किया।

मेघनगर :- रोटरी क्लब 'अपना' मेघनगर व रोटरी क्लब 'झाबुआ' के संयुक्त सौजन्य से 30 जनवरी को महावीर भवन, मेघनगर (मप्र) में सम्पन्न नारायण लिंब एवं कैलीपर माप शिविर में 113 दिव्यांगजन का रजिस्ट्रेशन हुआ। जिनमें से 39 दिव्यांग जन के लिए 42 कृत्रिम अंग व 17 के 24 कैलीपर बनाने के लिए माप लिए गए। मुख्य अतिथि उपखण्ड अधिकारी मुकेश सोनी थे। अध्यक्षता आरएसएस प्रचारक श्री बलवन्त नायक ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री बहादुरजी हाड़ा, भरत जी मिस्त्री, मुकेश जी साहू, श्रीमती चंदनबाला शर्मा व श्रीमती माया शर्मा थे।

हांगकांग में भामाशाहों का अभिनन्दन

संस्थान की ओर से 28 दिसम्बर 2023 से 18 जनवरी 2024 तक हांगकांग की विशेष जनसम्पर्क यात्रा आयोजित की गई। जिसमें वरिष्ठ साधक गोपेश शर्मा के संयोजन में संस्थान के भामाशाहों, सहयोगियों एवं शुभचिंतकों से भेंट कर नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ उनका अभिनंदन किया गया।

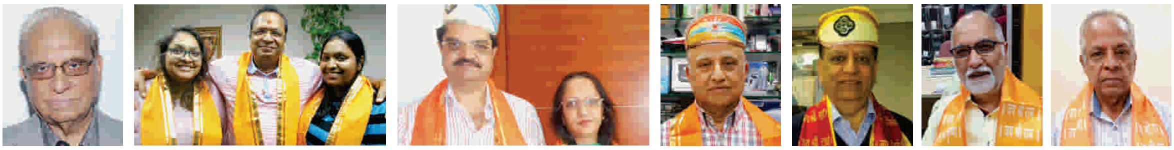

श्री कान लखानी | श्री रमेश कुमार सावर्थिया एवं परिवार | श्री एवं श्रीमती सोहन गोयनका | श्री रमेश वी. मेलवानी | श्री अशोक प्रितमानी | श्री हर्ष जेठालाल वासवानी | श्री माइक दरीयानी

श्री मोहन एवं श्री प्रीतम नवलानी | श्री मनोहर चुगानी | श्री कुलदीप एस. बुट्टर | श्री मोती राम महबूबानी | श्री पिशु उत्तम चंदानी | श्री चंद्र लालवानी | श्री भरत पटेल | श्री भोज ईशर दास चतलानी

श्री राजेश भीमसरिया | श्री अशोक रूंगटा | श्री विनय सुरेखा | श्री एवं श्रीमती के.पी.दासवानी | श्री प्रभुदास अजमेरा | श्री दयाल हरजानी | श्री एवं श्रीमती लाल हरदासानी

दुरू तोलानी | श्री ललित के. सुजान | श्रीमती मीरा वी. रोहिरा | लाजू बलानी | श्री कैलाश खाटूवाला | श्री अनुराग अश्वा | श्री गीत गोयनका | श्री लक्ष्मी लाल झुंझुनूवाला

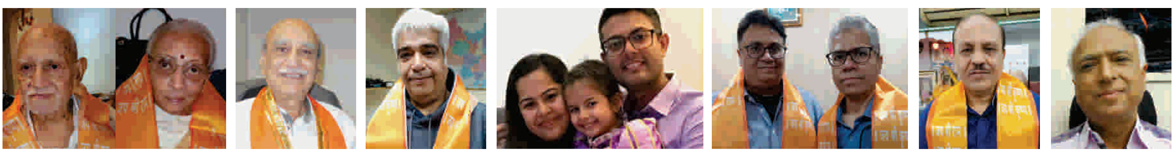

श्री एवं श्रीमती विजय ठाकुर | श्री रमेश डौवलानी | श्री अनिल लीलारमानी | श्री मनीष नानवानी एवं परिवार | श्री अनिल हेमलानी | श्री कुमार ब्बानी | श्री अशोक दानसिंघानी

नीलम गुप्ता

कॉव्लून के हिन्दू मन्दिर भक्तजन

श्री अजय शाह

झीनी झीनी रोशनी-५८

ऐसे संकल्प के बावजूद जब सभी छः पेपरों की पढ़ाई पूरी हो जाती तो सातवें पेपर की किताबों उन्हें ललचाती। वे जी कड़ा कर उनकी तरफ से ध्यान हटाने की कोशिश करते मगर फिसल ही जाते और ये किताबों उठा कर उलटने-पलटने लगते, इस प्रक्रिया में कब वे ये किताबें पढ़ने लगते उन्हें पता ही नहीं चलता।

दोनों ने 6 पेपर खुशी-खुशी दे दिये। सातवें पेपर की भी परीक्षा होने वाली थी, कैलाश जी को लगने लगा कि सातवें पेपर की परीक्षा देने में भी हानि क्या है, तैयारी है नहीं, फेल तो होना ही है, दो साल बाद वापस दे देंगे। ऐसे विचारों के बावजूद वे अपना मन कड़ा कर रहे थे कि परीक्षा नहीं दें मगर जैसे कोई अदृश्य शक्ति उन्हें खींच कर ले जा रही थी, वे परीक्षा देने पहुंच गए। पेपर आया,दस मिनट तक तो उन्होंने अपना पेन ही नहीं खोला, फिर धीरे-धीरे कुछ लिखने लगे। पेपर 100 अंकों का था, उत्तीर्ण होने के लिये न्यूनतम 40 अंक लाना अनिवार्य था। उन्होंने 30 अंकों के ही प्रश्नों के उत्तर दिये ताकि यह निश्चित हो जाए कि वे उत्तीर्ण नहीं हों। पौन घन्टे में ही वे अपनी कॉपी लौटा कर परीक्षा भवन से बाहर आ गए। वे प्रसन्न थे, पेपर सरल ही था, उन्होंने पूरे उत्तर नहीं दिये थे इसलिए पास होने का सवाल ही नहीं था। इसी बहाने आई.पी.ओ. की नौकरी 2-3 साल और चल जायेगी।

परीक्षा देकर वे वापस सरदारशहर लौट आये। तार प्रशिक्षण व उनकी परीक्षा भी हो चुकी थी, जूनियर एकाउन्ट्स ऑफिसर की परीक्षा भी दे दी। पुनः वे अपने दैनन्दिन कार्यों में संलिप्त हो गये। इन्सपेक्शन के लिये आये दिन इधर-उधर जाना ही पड़ता था, अब वे जहां भी जाते वहां घंटे भर के सत्संग का आयोजन शुरू कर दिया। पोस्ट ऑफिसों में सदवाक्यों की तख्यियां लगाने का काम भी वापस शुरू कर दिया ।अब कहीं कोई इस तरह के सदवाक्यों की तख्ती लगी देखते तो जानने वालों को पता चल जाता कि यहां जरूर कैलाश जी आकर गए हैं। कैलाश जी पर इन चीजों से असर नहीं पड़ता, वह अपनी धुन में जो अच्छा लगता, करते जाते। जीवन इसी गति से आगे बढ़ता रहा, अचानक एक दिन इसमें व्यवधान उत्पन्न हो गया। जयपुर से राधाकृष्ण जी सोनी का फोन आया, कैलाश जी को बधाई दे रहे थे। कैलाश को समझ में नहीं आया किस बात की बधाई दे रहे हैं तो उन्होंने पूछा लिया। सोनी ने बताया कि जे.ओ.ए की परीक्षा में वे पास हो गए हैं।

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर,
L.N.T. रोड, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514,
लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर, भूलीनगर

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344,
काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर
रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714,
बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108
अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी,
सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657, कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12,
एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
श्री सतीश शर्मा,मो. 09416121278
म.नं. 886, सेक्टर-7, अरबन एस्टेट करनाल

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी,
अम्बाला केन्ट-133001

श्रीमान अजीत कुमार जी
शास्त्री (क्लॉथ मर्चेन्ट)
9416367996
चन्द्रभान वाली गली, गांव व पोस्ट-शहजादपुर
तहसील-नारायणगढ़
जिला-अम्बाला-134202

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी,
नरवाना, जीन्द

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी,
किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2
क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास,
भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम,
पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंग्लो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई)
जिला-बरेली

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10,
सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्ट्रीयल कॉलोनी बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया,
जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट,
गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2,
शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक
बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी
अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार डाइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क,
D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103, ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस., लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1, गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर जोधपुर (राज) 342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-वी-5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक, लश्कर,ग्वालियर 474001

हरियाणा

चण्डीगढ़
7073452176, 8949621058
मकान नंबर 3468 ग्राउंड फ्लोर, सेक्टर - 46-सी, चंडीगढ़ (पिन कोड - 160047)

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936 जीए,गली नं.-10,राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ. केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
7727868019,मकान न. 2249, सेक्टर-14,हिसार 125005

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,मकान नं.- 216, बांगुर एवेन्यू, ब्लॉक-बी, ग्राउण्ड फ्लोर, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) पिन कोड-700055

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393, म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी, बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
मो.: 9529920081 म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड, वडोदरा -390019

दिल्ली

रोहिणी
08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

पंजाब

लुधियाना
07023101153
50/30-ए, राम गली, नौरीमल बाग भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरैपी सेन्टर

राजस्थान

जयपुर
9529920089, बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

प्लोट नं. डी-17, एफ-2, आदर्श रेजीडेंसी उमापथ, रामनगर, सोडाला, जयपुर मो.नं.: 8696002432

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07023101163, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड,अलीगढ़

लोनी
09529920084
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

गाजियाबाद
(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद
(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन निःशुल्क फिजियोथेरपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

आगरा
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी,नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080, 6375387481
आशीष नगर सोसायटी अभिषेक सोसायटी के पास मीना बाजार चार साला मेघानीनगर अहमदाबाद गुजरात 380016

राजकोट
09529920083, भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिर्वसिटी रोड,राजकोट

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साईं लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

मध्य प्रदेश

इन्दौर
09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पद्मा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

दिल्ली

फतेहपुरी
08588835711
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार....

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000 रू.
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.	13 ऑपरेशन के लिए	52,500 रू.
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.	5 ऑपरेशन के लिए	21,000 रू.
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.	3 ऑपरेशन के लिए	13,000 रू.
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.	1 ऑपरेशन के लिए	5,000 रू.

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000 रू.
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000 रू.
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000 रू.
नाश्ता सहयोग राशि	7,000 रू.

दुर्घटनाग्रस्त एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

वस्तु	एक नग सहयोग	तीन नग सहयोग	पांच नग सहयोग	ग्यारह नग सहयोग
तिपहिया साईकिल	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.
व्हील चेयर	4,000 रू.	12,000 रू.	20,000 रू.	44,000 रू.
कैलिपर	2,000 रू.	6,000 रू.	10,000 रू.	22,000 रू.
वैशाखी	500 रू.	1,500 रू.	2,500 रू.	5,500 रू.
कृत्रिम अंग (हाथ–पैर)	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.

गरीब को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रतिशक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 7,500 रू.	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 22,500 रू.
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 37,500 रू.	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 75,000 रू.
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 1,50,000 रू.	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 2,25,000 रू.

शिक्षा से वंचित आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने मे करें मदद

एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	1,100 रू.
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000 रू.
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000 रू.

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI

Google Pay PhonePe Paytm

narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

प्राकृतिक वादियों के बीच प्राकृतिक चिकित्सा

एक बार अवश्य पधारें

राजस्थान का कश्मीर कही जाने वाली झीलों की नगरी उदयपुर से 15 कि.मी दूर अरावली पर्वतमाला की सुरम्य वादियों के आंचल में लियों का गुड़ा गांव स्थित नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने का सादर आमंत्रण है।

हैप्पी
होली

होली के पावन पर्व पर दिव्यांग बच्चे के चेहरे पर मुस्कान लाएं

Donate via UPI

Google Pay PhonePe Paytm

narayanseva@sbi

एक ऑपरेशन सहयोग ₹5000

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय: 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत

Seva Soubhagya Print Date 1 March, 2024 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 28 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-